सीओएफ

सत्रीय कार्य

(जनवरी 2015 एवं जुलाई 2015 सत्र हेतु)

जैविक खेती में प्रमाणपत्र

(सीओएफ)

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

कृषि विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय शिक्षाार्थी,

जैसा कि आप भलीभांति जानते हैं कि सत्रांत परीक्षा की अधिभारिता 80% और सतत् मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) की 20% होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य है अर्थात् प्रत्येक सत्रीय कार्य के 50 अंक हैं जो कि अंततः, सैद्धांतिक घटक की 20% अधिभारिता में परिवर्तित होंगे। सत्रीय कार्य संबंधी फार्मेट के लिए नीचे लिखी हिदायतों का अनुसरण करें :

सत्रीय काय करने से पहले, कृपया निम्नलिखित हिदायतों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।

1. सर्वप्रथम सत्रीय कार्य प्रश्नों और हिदायतों को पढ़ें और सत्रीय कार्य के घटकों की पहचान करें। अपना उत्तर बनाते समय प्रासंगिक भागों और उप–भागों को पढ़ें। उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर स्व–अध्ययन उद्देश्य के लिए प्रदत्त अध्ययन सामग्री की ज्यों की त्यों नकल नहीं होने चाहिए। हमारा सुझाव है कि अपने उत्तर बनाते समय आप अध्ययन केंद्र या अन्य किसी पुस्तकालय में उपलब्ध प्रासंगिकता सामग्री को भी पढ़ें। लेकिन अतिरिक्त पठन अनिवार्यतया इन सत्रीय कार्यों का ज्यों का त्यों उत्तर नहीं होना चाहिए।
2. अपनी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के सबसे ऊपर निम्नलिखित फार्मेट में जरूरी जानकारी भरें।

नामांकन संख्या :.....
नाम :.....
पता :.....
.....
.....

पाठ्यक्रम कोड :..... पाठ्यक्रम शीर्षक :.....
अध्ययन केंद्र का कोड :.....
(नाम एवं कोड) तिथि :.....

3. अपने उत्तर लिखते समय फुलस्केप साइज पेपर का इस्तेमाल करें।
4. अपनी उत्तर पृष्ठिका के सबसे ऊपर, नीचे और बायीं ओर 4 सेमी. का मार्जन छोड़ें।
5. उत्तर लिखते समय संबद्ध प्रश्न संख्या और इसके भाग को साफ तरीके से दर्शाएं।

सत्रीय कार्य संख्या	**पीएससी में सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि**	
	जनवरी 2015 सत्र हेतु	**जुलाई 2015 सत्र हेतु**
सत्रीय कार्य 1 (बीएपी 001)	31 मार्च 2015	31 जुलाई 2015
सत्रीय कार्य 2 (बीएपीआई 001)	30 अप्रैल 2015	17 अगस्त 2015
सत्रीय कार्य 3 (बीएपीआई 002)	15 मई 2015	7 सितम्बर 2015
सत्रीय कार्य 4 (बीएपीआई 003)	30 मई 2015	21 सितम्बर 2015

6. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को ही भेजे।
7. **हमारा कड़ा सुझाव है कि अपनी सत्रीय कार्य प्रतिक्रियाओं की प्रति सदैव अपने पास रखें।**

शुभकामनाओं सहित!

सत्रीय कार्य – 1
पाठ्यक्रम कोड : बीएपी 001
पाठ्यक्रम : जैविक खेती का परिचय

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (5x10=50)

1. जैविक खेती को परिभाषित कीजिए। मनुष्यों के लिए इसके लाभों का वर्णन कीजिए। इसकी सीमाओं का भी वर्णन कीजिए।

2. जैविक खेती का आधार क्या है? जैविक खेती की संकल्पनाओं की सहायता और खेत (फार्म) को जीव मानते हुए वर्णन कीजिए।

3. कृषि में हानिप्रद रासायनिकों का प्रयोग पारितंत्र के लिए कैसे हानिप्रद है? अपना उत्तर रासायनिक प्रयोग वाली खेती के परिणामों के उल्लेख सहित लिखिए।

4. हमारे देश में जैविक खेती के महत्व को बढ़ाने में सहभागितापरक जैविक प्रमाणन कैसे सहायक हैं? उचित उदाहरणों सहित वर्णन कीजिए।

5. (क) भारतीय संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय जैविक मानकों के महत्व का वर्णन कीजिए।
   (ख) जैविक खेती में रूपांतरण (conversion) का क्या महत्व है?

सत्रीय कार्य – 2
पाठ्यक्रम कोड : बीएपीआई 001
पाठ्यक्रम : जैविक उत्पादन पद्धति

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (5x10=50)

1. जैविक खेती के नियोजन और अभिन्यास को लागू कैसे किया जाता है? उपयुक्त रेखाचित्र की सहायता से वर्णन कीजिए।

2. सिंचाई जल की गुणवत्ता क्या है? जैविक खेती के अंतर्गत जल की गुणवत्ता का विश्लेषण क्यों आवश्यक है? खराब किस्म के सिंचाई जल वाले जैविक खेत में संदूषण की रोकथाम की प्रक्रिया का भी वर्णन कीजिए।

3. तरल खाद निर्माण की प्रक्रिया और जैविक खेत में इसके उपयोगों का वर्णन कीजिए। ये ठोस खादों से कैसे बेहतर हैं?

4. जैव उर्वरकों और इनके प्रकारों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। जैविक खाद से जैव उर्वरक कैसे भिन्न हैं?

5. पीड़क जीव, जैविक खेती में गंभीर मुद्दा है? जैविक खेती में पीड़कों के प्रबंधन का वर्णन, भिन्न–भिन्न तकनीकों को ध्यान में रखते हुए कीजिए।

सत्रोय कार्य – 3

पाठ्यक्रम कोड : बीएपीआई 002

पाठ्यक्रम : जैविक उत्पाद का निरीक्षण एवं प्रमाणन

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (5x10=50)

1. अनुरूपता–प्रमाणपत्रों से आप क्या समझते हैं? विभिन्न प्रकार के प्रमाण–पत्रों का वर्णन कीजिए।

2. खेती में प्रयुक्त फार्मेट एक्टिविटी रजिस्टर को दर्शाइए। जैविक खेत के निरीक्षण के लिए आगत (input) रिकार्डों के महत्व का भी वर्णन कीजिए।

3. समूह प्रमाणन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ कौन से हैं? इन सभी की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4. इंडिया आर्गेनिक लोगो बनाइए। इसके प्रयोग संबंधी शर्तों का भी वर्णन कीजिए।

5. प्रमाणीकरण निकायों की प्रत्यायन प्रक्रिया एवं मूल्यांकन की चर्चा, उचित उदाहरणों सहित कीजिए।

सत्रीय कार्य – 4

पाठ्यक्रम कोड : बीएपीआई 003

पाठ्यक्रम : जैविक उत्पादन का अर्थशास्त्र एवं विपणन

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (5x10=50)

1. जैविक खेती के अर्थशास्त्र से आप क्या समझते हैं? इसे कैसे सुनिश्चित किया जाता है? सविस्तार लिखिए।

2. उपभोक्ता जैविक खाद्य उत्पादों को अधिक पसंद क्यों करते हैं? जैविक उत्पाद की बिक्री हेतु माँग चालकों को सूचीबद्ध कीजिए।

3. राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर जैविक बाज़ार संरचना की नवीनतम (updated) स्थिति पर प्रकाश डालिए।

4. हमारे देश में जैविक फलों एवं सब्जियों के लिए आपूर्ति श्रृंखला का वर्णन कीजिए।

5. विपणन प्रकार्यों के बारे में सामान्य संकल्पनाओं का वर्णन कीजिए।